44Books.com

Vishal surgade ..

ये कहानी पूरी तरह से काल्पनिक है ! इसके सारे किरदार नाम और जगह सब काल्पनिक है ! इसे सिर्फ काल्पनिक रूप से ही पढ़े !

44Books.com

...

"ये साले लोग सोते है या नहीं , चूतिये इस वक़्त भी खाना आर्डर करते है !" रात के १२: ४५ बज चुके थे ! शाम के ७ बजे से अब तक मेरी कम से कम १२ डेलिवरी हो चुकी थी , जिसके मुझे हर एक के १०rs के हिसाब से १२०rs मिलने वाले थे ! रोजमरा की भाग दौड़ करके ये आखरी वाली डेलिवरी देने जाने का मेरा बिलकुल भी मन नहीं था ! पर ये दिल ठहरा लालची एक और आर्डर अगर डेलिवर करता हु तो १०rs और मिल जाएंगे ! ये सोच कर मैंने अलताफ ने पैकिंग किये हुयें एक पार्सल को उठाया उसे दूसरे बक्से में रखा और बिल के ऊपरवाला हिस्सा और निचे वाला हिस्सा पीछे की तरफ मोड़ा और address पढ़ने लगा , बिल्डिंग का नाम नहीं बताऊंगा क्युकी उससे आपको और मुझे कोई भी फायदा नहीं होने वाला ! जो पता मैंने उस बिल पर देखा वो मैं जानता था ! लेकिन फिर भी उसे देख कर मैं जरा सा हैरान हुआ , "अलताफ़ अबे ये इस सोसाइटी में R विंग कब बनी रे !" अलताब हलकी सी मुस्कान चेहरे पर लेकर कहने लगा , "साले डेलिवरी बॉय मैं हु या तू !" उसके इस बात पर मुझे जवाब में कुछ कहना तो था पर वो R विंग १२०३ देख कर मैं सोच में ही पड़ गया था ! क्युकी पिछले एक महीने से मैं लगभग हर रोज उस सोसाइटी मैं आर्डर लेके जाता हु पर ये R विंग मैंने पहले कभी नहीं देखि थी ! खैर जो भी हो देखते है वहा जाकर , सोच कर मैंने अपनी गाड़ी के पीछे लगे बड़े से डिब्बे को खोला और उसमे वो पार्सल वाला बक्सा रखा , गाड़ी को स्टार्ट की और वहा से निकल गया !

बाबाजी ओ बाबाजी खोलो गेट खोलो , "तक़रीबन मुझसे जरासी छोटी कद वाला एक ५८ साल का बुड्ढा अपनी नींद से भरी आँखों को उँगलियों

44Books.com

से मलते हुयें वॉचमन रूम से बाहर आकर गेट खोलने लगा , अब आप पूछोगे के मुझे उसकी उम्र कैसे पता , "मैंने पहले ही कहा था ना के मैं पिछले एक महीने से लगभग हर रोज इस सोसाइटी में आर्डर लेके आता हु , तो इस एक महीने में अगर मैं उस बुड्ढे से बातचित ना करू तो , लोग जो मुझे दिलख़ुलास मन का कहते है वो सरासर छूठ साबित नहीं होता क्या ! बाबा बेहद गहरी नींद मैं था , उसकी और मेरी थोड़ी बहुत जानपहचान थी तो उसने मुझे बिना रजिस्टार मैं एंट्री किए जाने की इज़ाज़त दे दी ! मैं सोसाइटी के अंदर गया और R विंग ढूंढने लगा , A , B , C , D दूसरी तरफ O P Q और और R माँ की आँख ये R विंग साली कहा से आ गयीं ? मेरे चेहरे पर घबराहट की छटा उभर कर बहार आ रही थी , माथा भी पसीने से गिला होने लगा था ! सवाल तो फ़िलहाल एक ही था पर जैसे किसीने तांडव शुरू किया हो ! ये साली R विंग यहाँ आयीं कहा से? मै पूरी तरह से घबरा गया था ! समज नहीं आ रहा था के क्या करू पार्सल लेके तो आया हु पर उसे वापस नहीं ले जा सकता वापस ले गया तो अब तक के सारे किये धरे पे पानी फ़ैल जाता ! पार्सल कस्टमर को दिए बिना अगर वापस लाते है तो 500rs जुर्माने के दौर पर काट दिए जाते है !

कोई बात नहीं विशाल कोई बात नहीं शायद ये R विंग पहले से ही यही हो पर किसी कारन तेरा यहाँ आना जाना न हो या फिर हो सकता है के तेरी उसपे नजर ही ना पड़ी हो , खुदको सिर्फ उस १२ वे फ्लोअर तक ले जाने के लिए इतना समजाना शायद काफी था! मैं थोड़ा हौसला जुटाते हुयें उस R विंग की तरफ बढ़ने लगा ! उसकी लिफ्ट निचे ग्राउंड फ्लोअर पर ही थी ! मैंने लिफ्ट का बटन दबाया और लिफ्ट चालू हुयी ! मैंने भलेही ऐसे वैसे करके खुदको उस १२ फ्लोअर तक ले जाने के लिए समझाया तो था पर मेरी छातीसे घबराहट की वो धक्धक् कम ना हुईं थी! ऊपर से पसीना मेरे माथे से निचे की और आकर मुझे और घबरा रहा था!

44Books.com

तभी लिफ्ट मैं दी गयीं उस स्क्रीन पर १२ नंबर दिखने लगा, लिफ्ट का दरवाजा खुला, मैं लिफ्ट से बहार आने के लिए कतराने लगा पहले से दिल की धड़कन जो कब ज्यादा ही आवाज कर रही थी ! मैंने हलकेसे अपनी गर्दन लिफ्ट से बहार निकाली और और तभी किसीने मुझे जोरसे लिफ्ट की बहार की और धक्का दिया ! और उस धक्के से मैं पूरा लिफ्ट से बाहर आ गया मेरी धक् धक् और बढ़ चुकी थी चेहरा पूरी तरह से गिला हो चूका था कुछ समाज नहीं आया के किसने धक्का दिया ! जैसे ही मैं पीछे की और मुड़ा तो मैंने देखा के लिफ्ट निचे जा चुकी थी तभी पीछे से एक आवाज आयीं, "विशाल ? क्या तुम ही हो विशाल?" मैं फिरसे एक बार पीछे की और मुड़ा और देखा के एक औरत खड़ी थी! अकेली थी, उसके बाल बिखरे हुयें थे अरे नहीं नहीं मैं उस औरत की बात नहीं कर रहा जो रात को सफ़ेद साड़ी पहन कर खुले बालों के साथ रात भर सड़को पर इधर उधर घूमती फिरती है और लोगो को डराती रहती है नहीं बिलकुल नहीं , जिसकी बात मैं कर रहा हु उसने लाल रंग की साड़ी पहनी हुईं थी माथे पर एक बड़ा सा लाल रंग का टिका था उसके बाल ऐसे थे जैसे नीले पानी में लहरते हुयें हरे रंग के तलय मराठी में उसे शेवाड कहते है जो पानी की लहरों के साथ ऐसे हिलते है जैसे किसीके खूबसूरत बाल स्लो मोशन मैं उड़ाए हो बिलकुल उसी तरह ,! उसका वो रूप , मैं बस उसको देखता ही रह गया, उसे नहीं शायद उसकी कमर को देखते रह गया . उसकी कमर ऐसी थी जैसे किसीने नागिन का एक तिरछा हिस्सा काट कर उसकी कमर पर लगा दिया हो, अपनी पूरी नज़ाकत के साथ ! उसे देख कर मेरा अब तक का सारा डर पूरी तरह से निकलता जा रहा था , और माथे का पसीना भी सूखने लगा था !

मेरी आँखें सिर्फ उसकी कमर को ही देख रही थी और ये बात शायद उसे भी पता चल गयीं थी, पर उसने कोई भी एतराज़ नहीं जताया ! जैसे उसने उसकी कमर खुली इसी लिए छोड़ी हो के कोई भी उसकी खूबसूरत

44Books.com

सी कमर को नजरअंदाज न कर सके ! " कितने पैसे हुयें ?" वो मुझसे पूछने लगी , " जी, जी २५५ !" उसने अपने पर्स से ३ सौ सौ की नोट निकाल कर मेर तरफ़ बढ़ाई !" ma'am चेंज नहीं है मेरे पास ? कोई बात नहीं रख लो ! मैंने पैसे अपनी जेब में रखे और अपने हाथों का पर्सल उसके हाथों में दे दिया ! हैरानी की बात तब हुई जब उसके हाथों में पार्सल देने के बाद भी वो अपने घर की तरफ नहीं मुड़ी ! वो वही खड़ी ! शायद वो चाहती थी के में उसक कमर कुछ देर और देखूँ ! शायद ! मैंने लिफ्ट का बटन दबाया , लिफ्ट आयीं और मैं वह से निकल गया ! भलेही मैं वहा निकल चूका था पर मेरा मन अंदर से उछल रहा था , " वा यार... क्या था ये ! कमाल मजा आ गया !" मेरी आँखों में अभी भी उसकी कमर ही दिख रही थी ! और क्या था उसी को मन ही मन में देखते हुई मैंने अपनी गाड़ी निकली और वहा से निकल गया !

अगले दिन जब मैं काम पर गया, अलताफ : "विशाल ओ विशाल, तू कल वो R विंग की आर्डर लेके गया था ना? " , " हां. गया था.. तो क्या हुआ ऐसा क्यों पूछ रहा है? " अलताफ : अंदर आ , "न्यूज़ देख !" न्यूज़: पुणे शहर के .... इस इलाके में ..... इस सोसाइटी में एक लड़की का खून किया गया है !

जिस लड़की का खून किया गया है उसका नाम काया है ! कल रात को करीब १२ :५० को इस वारदात को अंजाम दिया गया है किसी भी तरह का सपूत अभी तक पुलिस के हवाले नहीं लगा है , यहाँ तक के सोसाइटी के सारे कॅमेरे चालू थे फिर भी किसी तरह की कोई भी चीज़ रिकॉर्ड नहीं हुई है जिससे किसी तरह का अंदाज़ा लगाया जा सके , लेकिन जिस R विंग में १२०३ रूम मैं लड़की का क़त्ल हुआ है वहा एक पार्सल मिला है ! जिससे शायद खुनी को ढूंढने में कोई मदत हो सकती है ! इस केस में एक और शख्स को घेरे में लिया जा सकता है एक डिलीवरी बॉय जो के इस सोसाइटी मैं कल रात को आया था पर उसकी रेजिस्टर में एंट्री नहीं की

44Books.com

गयीं है ! सोसाइटी के गेट पर रहने वाले वॉचमन ने ये सारी जानकारी पुलिस को दी है , पुलिस जल्द ही इस पर करवाई करेगी ! धन्यवाद !